टंट्या भील बलदिान दविस

चर्चा में क्यों?

4 दसिंबर, 2021 को राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री शवि‌राज सहि चौहान ने पातालपानी में क्रांतसिूर्य जननायक टंट्या मामा के बलदिान दविस पर अष्टधातु से नरि्मति जननायक टंट्या मामा की भव्य प्रतमिा का अनावरण कयिा।

प्रमुख बदिु

- राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री चौहान ने जननायक टंट्या मामा के वंशजों और परजिन हीरालाल सरिसाठे, ललति‌ा बाई, दरयिाव एवं रेशम बाई वासुदेव, छोगालाल सरिसाठे, रेखा बाई सरिसाठे, राधूलाल और सुंदर बाई का शॉल, श्रीफल और मोतयिों की माला पहनाकर सम्मान कयिा।
- पातालपानी में 4 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत से नवतीर्थस्थल बनाया जाएगा। यहाँ ध्यान केंद्र स्थापति कयिा जाएगा, जहाँ वीरता की उपासना की जाएगी, जो आने वाली पीढ़यिों को देश-भक्त‌ि की प्रेरणा देगा।
- नवतीर्थस्थल में लाइब्रेरी, व्यू पॉइंट, पाथ-वे के साथ जनजातीय म्यूज़यिम और जननायक टंट्या मामा वाटकिा भी बनेगी। साथ ही अब से पातालपानी में हर वर्ष 4 दसिंबर, 2021 को जननायक टंट्या मामा के बलदिान दविस पर मेला आयोजति होगा।
- टंट्या भील का जन्म सन् 1840 में तत्कालीन मध्य प्रांत के पूर्वी नमिाड़ (खंडवा ज़लि‌े) की पंधाना तहसील के बड़दाअहीर गांव में भाऊसहि भील के घर पर हुआ था। कहीं-कहीं पर सन् 1842 में इनके जन्म का उल्लेख भी मलिता है।
- टंट्या भील का वास्तवकि नाम तांतयिा था। उन्हें प्यार से टंट्या मामा के नाम से भी बुलाया जाता था। उन्हें सभी आयु वर्ग के लोगों द्वारा आदरपूर्वक 'मामा' कहा जाता था।
- टंट्या भील को कुछ वशि्वस्त लोगों के वशि्वासघात के कारण अंग्रेजों द्वारा गरिफ्तार कर लयिा गया। उन्हें इंदौर में ब्रटिशि रेजीडेंसी क्षेत्र में सेंट्रल इंडयिा एजेंसी जेल में रखा गया था। बाद में जबलपुर जेल में रखा गया। सत्र न्यायालय जबलपुर ने उन्हें 19 अक्टूबर, 1889 को फाँसी की सजा सुनाई और फरि 4 दसिंबर, 1889 को फाँसी दी गई।
- फाँसी के पश्चात् इंदौर के पास खंडवा रेल मार्ग पर पातालपानी रेलवे स्टेशन के नजदीक आसपास के गांवों में वद्रि‌ोह भड़कने के डर से चुपचाप रात में उनके शव को उस स्थान, जहाँ पर उनके लकड़ी के पुतले रखे थे, फेंककर अर्थात् रखकर चले गए।
- इस स्थान अर्थात् पातालपानी को आज 'टंट्या भील की समाध‌ि स्थल' के नाम से जाना जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tantya-bhil-balidan-diwas